Need to formulate a policy for onion and sugarcane growers and consumers

-laid

श्री बजरंग मनोहर सोनवणे **(**बीड**) :** लगभग 5 करोड़ किसानों और उनके परिवार के सदस्यों और चीनी मिलों में सीधे तौर पर कार्यरत लगभग 5 लाख श्रमिकों की आजीविका को प्रभावित करता है । एन.एस.एस रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र में लगभग 7% किसान परिवार प्याज और गन्ने की खेती में शामिल है । निर्यात उनकी आय में महत्वपर्णू भमिूका निभाता है । पिछले कुछ वर्षों में प्याज और गन्ने की घरेलू कीमतों की अस्थिरता को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार निर्यात पर प्रतिबंध का सहारा लिया है । नीति में इस तरह के बदलाव से महाराष्ट्र के नासिक, लासलगांव, सोलापरु और अन्य क्षेत्रों के प्याज बेल्ट में किसानों के वित्तीय हालात को नुकसान पहुंचता है । जहां कीमतों को नियंत्रित करना महत्वपर्णू है, वहीं सरकार को प्याज और गन्ने की खेती करने वाले किसानों पर ऐसी नीतियों के प्रभाव के बारे में भी विचार करना चाहिए । अक्सर देखा गया है कि जब अधिक उत्पादन होता है तो मांग कम होने के कारण किसानों को अपेक्षित मूल्य नहीं मिलता । मेरा माननीय मंत्री जी से आग्रह है कि प्याज़ और गन्ने के लिए कोई निश्चित policy बनाई जाए जिससे किसानो को भी उचित दाम मिल सके और उपभोक्ताओं को भी निश्चित दाम पर मिले ।